प्रारंभिक परीक्षा

द्रव्यरत्नाकर निघण्टु और द्रव्यनामाकर निघण्टु

संदर्भ

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत केन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) ने दो आयुर्वेदिक पांडुलिपियों को पुनर्जीवित किया है: द्रव्यरत्नाकर निघण्टु और द्रव्यनामाकर निघण्टु।

आयुर्वेदिक पांडुलिपियाँ क्या हैं?

- **आयुर्वेदिक पांडुलिपियाँ प्राचीन ग्रंथ हैं जो औषधीय पौधों, सूत्रीकरण(formulations) और औषधीय गुणों पर आयुर्वेदिक ज्ञान को संरक्षित करते हैं।**
- निघण्टु पारंपरिक शब्दावलियाँ हैं जो पौधों, खनिज और पशु स्रोतों से प्राप्त पदार्थों के गुणों का वर्णन करती हैं।
    - निघण्टु आयुर्वेद में विभिन्न पदार्थों के लिए प्रयुक्त अनेक नामों (समानार्थी शब्दों) या समान नामों के कारण उत्पन्न भ्रम को दूर करते हैं।
    - **उदाहरणार्थ,**
        - **समानार्थी शब्द:** अदरक को शुंठी, नागर, आर्द्रक (रूप के आधार पर - सूखा या ताजा) कहा जाता है।
        - **समानार्थी शब्द:** रजनी का अर्थ हो सकता है एक संदर्भ में करकुमा लोंगा (हल्दी) और दूसरे संदर्भ में पाइपर लोंगम, यदि स्पष्ट नहीं किया गया हो।

द्रव्यरत्नाकर निघण्टु:

- **लेखक**: **मुद्गल पंडिता | काल**: 1480 ई.
- इसमें औषधि के पर्यायवाची, क्रिया और निर्माण पर 18 अध्याय हैं।
- धन्वन्तरि और राजा निघण्टु का हवाला देते हुए नए चिकित्सीय पदार्थों का परिचय दिया गया है।
- **19वीं शताब्दी तक महाराष्ट्र में इसका व्यापक प्रयोग होता रहा।**
- **पुनर्जीवित**: डॉ. सदानंद डी. कामत।

द्रव्यनामाकर निघण्टु:

- **श्रेय**: **भीष्म वैद्य| अवधि**: धन्वंतरि के बाद (अदिनांकित)
- **धन्वन्तरि निघण्टु** का पूरक, 182 श्लोकों सहित।
- रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना की सहायता के लिए औषधि नामों में समानार्थी शब्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- **संपादन** : डॉ. सदानंद डी. कामत।

स्रोत: PIB

भारतीय सेना के अधीन शस्त्रागार

संदर्भ

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय सेना ने युद्ध की सटीकता और परिचालन पहुंच को बढ़ाने के लिए सटीक निर्देशित लंबी दूरी के हथियारों, ड्रोन और युद्ध सामग्री के साथ अपने शस्त्रागार का आधुनिकीकरण किया है।

प्रमुख भारतीय सैन्य शस्त्रागार -

- **हैमर (HAMMER-Highly Agile and Manoeuvrable Munition Extended Range):**
  - **प्रकार:** हवा से जमीन पर सटीक निर्देशित गोला-बारूद
  - **रेंज:** 70 किमी तक
  - **प्लेटफार्म:** राफेल विमान
  - **विशेषताएं:** स्वायत्त, जामिंग-प्रतिरोधी, कम ऊंचाई से प्रयोग करने योग्य
  - **उपयोग:** विभिन्न लक्ष्यों पर सामरिक हमले
  - **उत्पत्ति:** फ्रांस (सफ्रान समूह)
- **स्कैल्प (यूके में स्टॉर्म शैडो):**
  - **प्रकार:** लंबी दूरी की हवा से प्रक्षेपित क्रूज मिसाइल
  - **रेंज:** ~450 किमी
  - **प्लेटफार्म:** राफेल विमान
  - **विशेषताएं:** छिपकर हमला करने की क्षमता, गहरे तक वार करने की क्षमता, बंकर भेदने की क्षमता
  - **नेविगेशन:** INS + GPS + भू-भाग संदर्भ
  - **उत्पत्ति:** यूरोप (MBDA)
- **मीटियोर** (**METEOR**)
  - **प्रकार:** दृश्य सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (BVRAAM)
  - **रेंज:** 100 किमी से अधिक (वर्गीकृत)
  - **प्लेटफॉर्म:** राफेल और अन्य लड़ाकू विमान
  - **विशेषताएं:** रैमजेट प्रणोदन, सबसे बड़ा 'नो एस्केप जोन', इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रतिरोध
  - **उत्पत्ति:** यूरोप (MBDA)
- **ब्रह्मोस**
  - **प्रकार:** सुपरसोनिक (ध्वनि से भी तेज) क्रूज मिसाइल (भूमि, समुद्र, वायु संस्करण)
  - **गति:** मैक 2.8–3
  - **रेंज:** शुरू में 290 किमी, अब नए संस्करणों में 450-500 किमी तक बढ़ा दी गई है
  - **विशेषताएं:** दागो और भूल जाओ, कम टर्मिनल ऊंचाई (10 मीटर), सटीक निशाना
  - **उत्पत्ति:** भारत-रूस संयुक्त उद्यम (डीआरडीओ + एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया)
- **लोइटरिंग म्यूनिशन**(**LOITERING MUNITIONS**)
  - **प्रकार:** कामिकेज़ ड्रोन
  - **उपयोग:** निगरानी, लक्ष्य पहचान और सटीक हमला
  - **विशेषताएं:** लक्ष्य क्षेत्र पर मंडरा सकते हैं, स्वायत्त रूप से या दूर से हमला कर सकते हैं
  - **हालिया खरीद:** स्विच (आइडियाफोर्ज), नागास्त्र, और इज़राइल से आयात

क्या आप जानते हैं?

- **क्रूज़ मिसाइल:** क्रूज़ मिसाइल एक निर्देशित मिसाइल है जिसका उपयोग उच्च सटीकता के साथ लंबी दूरी तक वारहेड पहुंचाने के लिए किया जाता है।
    - यह रडार की पकड़ से बचने के लिए कम ऊंचाई पर, अक्सर जमीन से ऊपर उड़ान भरती है।
- **दृश्य सीमा से परे वायु-से-वायु मिसाइल (BVRAAM):** BVRAAM को पायलट की दृश्य सीमा से परे की दूरी पर दुश्मन के विमानों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है (आमतौर पर 30-40 किमी से अधिक, 100 किमी से अधिक तक जा सकता है)।
    - यह गतिशील लक्ष्यों का पता लगाने और उन पर प्रहार करने के लिए रडार मार्गदर्शन का उपयोग करता है।
- **कामिकेज़ ड्रोन (लोइटरिंग म्यूनिशन):** ये ड्रोन हैं जो लक्ष्य क्षेत्र के ऊपर मंडराते (प्रतीक्षा करते) हैं तथा लक्ष्य की पहचान होने पर हमला करते हैं।
    - "उड़ते बम" की तरह कार्य करते हैं, टकराने पर स्वयं नष्ट हो जाते हैं।
- **रैमजेट:** रैमजेट सरल एयर ब्रीदिंग जेट इंजन हैं, जिनमें कोई गतिशील भाग नहीं होता, तथा ये दहन और प्रणोदन के लिए आने वाली हवा को संपीड़ित करने के लिए उच्च अग्रगामी गति पर निर्भर करते हैं।

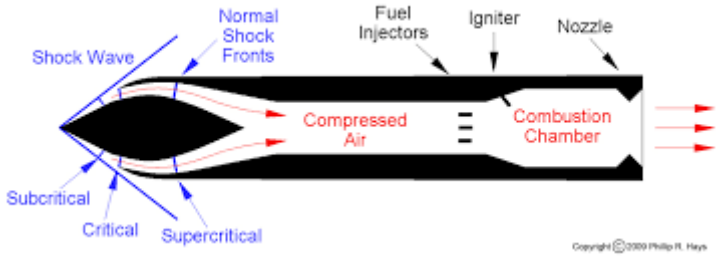

स्रोत: **Indian Express: Precision guided long range weapons in Indian Military Arsenal**

मानव विकास सूचकांक

संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा मानव विकास रिपोर्ट (HDR) 2025 जारी की गई, जिसका शीर्षक है "ए मैटर ऑफ चॉइस: पीपल एंड पॉसिबिलिटीज इन द एज ऑफ एआई"।

मानव विकास सूचकांक (HDI) के बारे में -

पहलू	विवरण
पूरा नाम	मानव विकास सूचकांक
द्वारा प्रस्तुत	संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)
प्रथम प्रकाशन	1990
उद्देश्य	देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास को मापने और रैंकिंग करने के लिए
अवयव	1. **स्वास्थ्य**: जन्म के समय जीवन प्रत्याशा। 2. **शिक्षा**: स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष और स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष 3. **जीवन स्तर**: प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) (पीपीपी) 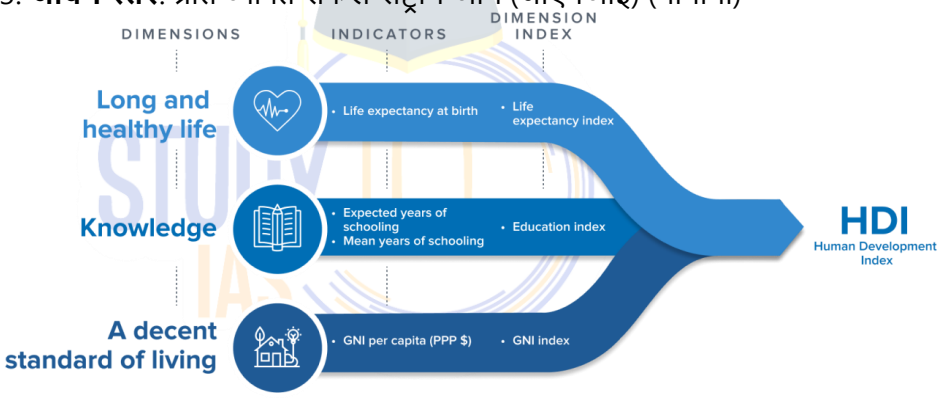

2025 की रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं -

वैश्विक मानव विकास सूचकांक रैंकिंग

LEADERBOARD

HDI ranking and value (2023)

Rank	Country	HDI value
1	Iceland	0.972
2	Norway	0.970
2	Switzerland	0.970
4	Denmark	0.962
5	Germany	0.959
5	Sweden	0.959
7	Australia	0.958
8	Hong Kong, China (SAR)	0.955
8	Netherlands	0.955
17	United States	0.938
130	India	0.685

HDI: Human Development Index
Source: UNDP Human Development Report 2025

- **शीर्ष रैंक:** आइसलैंड 0.972 के मूल्य के साथ HDI सूची में शीर्ष पर है**,** इसके बाद नॉर्वे और स्विट्जरलैंड का स्थान है।
- **निचला रैंक:** दक्षिण सूडान 0.388 के मानव विकास सूचकांक मूल्य के साथ अंतिम (193वें) स्थान पर था।

भारत का मानव विकास सूचकांक प्रदर्शन -

- **HDI मूल्य और रैंक:** भारत ने अपने HDI को 0.676 (2022 में 133वां स्थान) से सुधार कर 0.685 (2023 में 130वां स्थान) कर लिया है, जो मध्यम मानव विकास श्रेणी में बना हुआ है।
- **दीर्घकालिक प्रगति:** 1990 के बाद से भारत का मानव विकास सूचकांक 53% से अधिक बढ़ गया है, जो वैश्विक और दक्षिण एशियाई औसत से अधिक तेजी से बढ़ रहा है।

पड़ोसियों के बीच भारत की स्थिति -

- **भारत से ऊपर:** चीन (75वें), श्रीलंका (78वें) और भूटान (127वें) भारत से ऊपर स्थान पर हैं।
- **भारत के बराबर:** बांग्लादेश भी भारत के समान 130वें स्थान पर है।
- **भारत से नीचे:** नेपाल (145वें), म्यांमार (149वें) और पाकिस्तान (168वें) निचले स्थान पर हैं।

भारत की मानव विकास सूचकांक प्रगति की मुख्य विशेषताएं -

- **जीवन प्रत्याशा:** 58.6 वर्ष (1990) से बढ़कर 72 वर्ष (2023) हो गई - जो कि HDI ट्रैकिंग शुरू होने के बाद से सबसे अधिक है।
    - **योगदान कार्यक्रम:** आयुष्मान भारत, जननी सुरक्षा योजना, पोषण अभियान।
- **शिक्षा में सुधार:** स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष 8.2 वर्ष (1990) से बढ़कर 13 वर्ष (2023) हो गया।
    - **प्रमुख नीतियाँ:** शिक्षा का अधिकार अधिनियम, समग्र शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020।
- **आर्थिक विकास और गरीबी में कमी:** प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय चार गुना बढ़ी: $2,167 (1990) से $9,046 (2023) तक।
    - 2015-16 और 2019-21 के बीच 135 मिलियन लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले।

स्रोत: **The Hindu: A step up**

जलवायु परिवर्तन मानव आंत को कैसे बाधित कर रहा है

संदर्भ

लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ की समीक्षा से पता चलता है कि जलवायु-जनित खाद्यान्न की कमी और कुपोषण के कारण आंत के बैक्टीरिया में परिवर्तन हो सकता है, जिससे मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और भी खराब हो सकता है।

जलवायु परिवर्तन मानव आंत के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है -

- **पोषण संबंधी व्यवधान:**
    - **फसल की गुणवत्ता में कमी**: जलवायु परिवर्तन के कारण CO_2 का स्तर बढ़ जाता है और मौसम की चरम घटनाएं होती हैं, जिससे गेहूं और चावल जैसी प्रमुख फसलों में आवश्यक पोषक तत्व (लौह, जस्ता, प्रोटीन) कम हो जाते हैं।
    - **खाद्य असुरक्षा**: निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में भोजन की उपलब्धता में कमी के कारण कुपोषण और खराब आहार विविधता पैदा होती है - जो आंत में सूक्ष्मजीव विविधता में कमी का प्रमुख कारण है।
- **पर्यावरणीय तनाव:**
    - उच्च तापमान से खाद्य और जलजनित बीमारियां (जैसे, हैजा, ई. कोली) बढ़ जाती हैं, जो आंत के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं।
    - मृदा और जल माइक्रोबायोटा में परिवर्तन के कारण मनुष्य के संपर्क में आने वाले सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं, जिससे विशेष रूप से शिशुओं और बच्चों में आंत में उपनिवेशण प्रभावित होता है।
- **संक्रमण की बढ़ती संभावना:** गर्म वातावरण रोगाणुओं की वृद्धि को बढ़ावा देता है, जिससे हानिकारक रोगाणुओं के संपर्क में वृद्धि होती है, जो सामान्य आंत माइक्रोबायोटा को बाधित करते हैं।
- **कमजोर आबादी:** स्थानीय खाद्य स्रोतों पर अधिक निर्भरता और कठोर जलवायु परिस्थितियों के संपर्क में रहने के कारण मूल निवासी समूह और एलएमआईसी असमान रूप से प्रभावित होते हैं।

जलवायु तनाव के कारण आंत डिस्बायोसिस के प्रभाव -

- कमज़ोर प्रतिरक्षा
- चयापचय संबंधी विकारों का उच्च जोखिम (जैसे, मधुमेह, मोटापा)
- सूजन आंत्र रोग (आईबीडी)
- बिगड़ा हुआ तंत्रिका स्वास्थ्य (आंत-मस्तिष्क अक्ष के माध्यम से)
- पोषक तत्वों के कुअवशोषण के कारण बच्चों में खराब वृद्धि एवं विकास।

स्रोत: **The Hindu: Climate change is disrupting the human gut in a new path to illness**

समाचार संक्षेप में

हेन्यो(Haenyeo)

समाचार? शोधकर्ताओं ने पुष्टि की है कि हेन्यो आनुवंशिक रूप से मुख्य भूमि कोरियाई लोगों से अलग हैं।

- **कौन हैं वे?**
  - **परिचय**: महिला मुक्त गोताखोरों का समूह, बिना श्वास उपकरण के 10 मीटर तक पानी के अंदर गोता लगाकर शंख, समुद्री शैवाल और अन्य समुद्री जीवन एकत्र करता है।
  - **स्थान**: जेजू द्वीप, दक्षिण कोरिया।
  - **यूनेस्को मान्यता**: **2016 में, हेन्यो संस्कृति को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में अंकित किया गया था।**

ऑपरेशन अभ्यास

समाचार? राष्ट्रव्यापी मेगा नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल 'ऑपरेशन अभ्यास' आयोजित किया गया।

- **मॉक ड्रिल क्यों?** ऑपरेशन सिंदूर के बाद आपातकालीन नागरिक तैयारियों को बढ़ाने के लिए।
- **इसमें क्या-क्या शामिल है?** हवाई हमले के सायरन सक्रिय करना, ब्लैकआउट उपायों का परीक्षण करना, भारतीय वायु सेना के साथ संचार स्थापित करना, तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के प्रारंभिक छद्मवेश का मूल्यांकन करना।

नागरिक तैयारियों के समान उदाहरण

- **भारत के पिछले उदाहरण:** 1962 चीन-भारत युद्ध, 1965 भारत-पाकिस्तान युद्ध, 1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध।
- **युद्ध जैसी स्थितियों के विरुद्ध वैश्विक तैयारी:**
  - **नागरिक सुरक्षा अवसंरचना (इज़राइल):**
    - प्रत्येक घर में बम आश्रय स्थल अनिवार्य होना चाहिए।
    - हवाई हमले के सायरन पर त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए सार्वजनिक प्रशिक्षण।
    - नागरिकों के बीच तत्परता की संस्कृति को बढ़ावा देता है।
  - **सेवाओं की डिजिटल निरंतरता (यूक्रेन):** आवश्यक सेवाओं का डिजिटलीकरण (बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा)।
  - **ब्लैकआउट और सामूहिक सुरक्षा अभियान (ब्रिटेन, द्वितीय विश्व युद्ध):** बमवर्षकों से बचने के लिए पर्दे और कार्डबोर्ड का प्रयोग कर पूर्ण ब्लैकआउट लागू किया गया।
    - नागरिकों को 44 मिलियन से अधिक गैस मास्क वितरित किये गये (1938-1939)।

वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम

समाचार? वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन (GLEX 2025) का 12वां संस्करण नई दिल्ली, भारत में आयोजित

किया गया (पहली बार)।

- **विषय**: नई दुनिया तक पहुंचना: अंतरिक्ष अन्वेषण पुनर्जागरण।
- **द्वारा आयोजित:** अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री महासंघ (आईएएफ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संयुक्त रूप से।
- **नोट**: नासा (अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी) ने इस सम्मेलन में कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा है।
    - **कारण**: नासा के वैज्ञानिकों या अंतरिक्ष यात्रियों की यात्रा और GLEX में भाग लेने के लिए धन की कमी (वित्त पोषण में 24.8 बिलियन डॉलर से 24% की कटौती करके 18.8 बिलियन डॉलर कर दिया गया)।

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री रक्षा प्रदर्शनी (IMDEX) एशिया 2025

समाचार? IMDEX एशिया 2025 सिंगापुर के चांगी प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा।

- **उद्देश्य:** समुद्री संबंधित व्यवसायों को अपने नवीनतम जहाजों, प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना।
- **लक्ष्य:** नौसैनिक सहयोग को मजबूत करना, अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना और नौसेनाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना
- **भारत का बेड़ा:** आईएनएस किल्टन
- **भारत पर प्रभाव:**
    - सिंगापुर और अन्य भागीदार नौसेनाओं के साथ समुद्री संबंधों को बढ़ाना।
    - स्वदेशी नौसेना क्षमताओं का प्रदर्शन→ रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भर भारत का समर्थन करना।
    - अंतरसंचालनीयता और क्षेत्रीय उपस्थिति को बढ़ाना

जगन्नाथ धाम मंदिर - ओडिशा ने नाम बदलने का अनुरोध किया

समाचार? ओडिशा सरकार से पश्चिम बंगाल के दीघा में हाल ही में खोले गए मंदिर 'जगन्नाथ धाम' का नाम बदलने को कहा गया है।

- **कारण:**
    - **सांस्कृतिक विनियोग पर चिंता:** विश्वास पुरी की आध्यात्मिक विशिष्टता को दोहराने या कम करने का प्रयास।
    - **शास्त्रीय परंपरा का उल्लंघन:** पुरी आदि शंकराचार्य द्वारा बताए गए चार धामों में से एक है।
    - **अनुष्ठान और भौतिक अंतर:** पुरी की मूर्तियाँ नीम की लकड़ी (दारु ब्रह्म) से बनाई जाती हैं और नवकलेवर के दौरान गुप्त अनुष्ठानों का पालन किया जाता है;

- दीघा की मूर्तियाँ पत्थर पर आधारित हैं और इनमें इन परंपराओं का पालन नहीं किया जाता।